

कोसी-मेची लकिगि परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कोसी- मेची लकिगि परियोजना को केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

प्रमुख बंदि:

- मध्य प्रदेश की केन-बेतवा रविर लकिज परियोजना के बाद कोसी-मेची लकिगि परियोजना (Kosi-Mechi linking project- KMLP) देश की दूसरी रविर लकिज परियोजना है।
- यह परियोजना 4,900 करोड़ रुपए की लागत के साथ लगभग पाँच वर्षों में पूरी होने की संभावना है।
- इस परियोजना के माध्यम से सीमांचल कषेत्र के अररया, पूर्णया, कशिनगंज और कटहार ज़िलों में सचिाई की भी व्यवस्था की जाएगी।
- 72 कमी. नहर के माध्यम से पश्चमि में कोसी को पश्चमि में कशिनगंज में मेची बेसनि के साथ जोड़ा जाएगा, साथ ही इस नहर को पूर्व में महानंदा बेसनि के साथ भी जोड़ा जाएगा।
- इस परियोजना को केंद्रीय जल आयोग और राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी जैसे वैधानकि नकियायों से मंजूरी मलि गई है।
- अगर यह राष्ट्रीय परियोजना घोषति होती है तो लागत का 90% भाग केंद्र और 10% भाग राज्य वहन करेंगे।
- राज्य सरकार स्वयं के संसाधनों के साथ वैकल्पकि रूप से एशियाई विकास बैंक से उधार के माध्यम से भी लागत की व्यवस्था करेगी।
- वर्तमान में बहिर की कोसी बेसनि विकास परियोजना को वशिव बैंक की सहायता से कार्यान्वति कया जा रहा है।
- इस परियोजना के क्रयान्वयन के बाद बहिर में आने वाली बाढ़ को काफी हद तक नयित्त्रति कया जा सकेगा।

स्रोत: टाइम्स ऑफ़ इंडया